चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-09-2022**

आईआईएम रांची में प्रकाशित होगा रिसर्च पेपर

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। सीआरएसयू के प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जसवीर सिंह एवं उनके शोधार्थी डॉ. राजेंद्र कुमार के द्वारा शोध किए रिसर्च पेपर को आईआईएम रांची में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया। इसको लेकर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा, विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने डॉ. जसवीर व शोधार्थी को सम्मानित किया।

आईआईएम रांची में डॉ. राजेंद्र कुमार का शोध प्रकाशित होने पर सम्मानित करते हुए। संवाद

कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय ने कम समय में शोध कार्यों में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक तौर पर शोध के लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को 200000 रुपये तक की सहायक राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा अनुबंध पर लगे अध्यापकों को भी हाल ही में 50000 रुपये तक शोध के लिए अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। डॉ. जसबीर ने बताया कि वह लंबे समय से इस शोध प्रकाशन के लिए प्रयासरत थे, आईआईएम रांची के द्वारा प्रकाशित जर्नल में उनके पेपर को स्वीकृति मिलना उनके लिए खुशी की बात है। साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय शोध के लिए प्राध्यापकों को समय-समय पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान कर रहा है।

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date:14-09-2022**

सीआरएसयू के शोधार्थी आईआईएम रांची में प्रस्तुत करेंगे रिसर्च पेपर, कुलपति ने किया सम्मानित

जींद | चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जसवीर सिंह एवं उनके शोधार्थी डॉ. राजेंद्र कुमार द्वारा शोध किए गए रिसर्च पेपर को आईआईएम रांची में प्रस्तुत करने के लिए स्वीकार किया गया है। इस मौके पर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा, विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने प्राध्यापक और शोधार्थी को सम्मानित किया और उनका मनोबल बढ़ाया। कुलपति ने बताया कि कम समय के अंतराल में विश्वविद्यालय ने शोध कार्यों में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक तौर पर शोध के लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को 2 लाख तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा अनुबंध पर लगे अध्यापकों को भी हाल ही में 50 हजार रुपए तक शोध के लिए अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। डॉ. जसबीर ने बताया कि वह लंबे समय से इस शोध प्रकाशन के लिए प्रयासरत थे। आईआईएम रांची के द्वारा प्रकाशित जर्नल में उनके पेपर को स्वीकृति मिलना खुशी की बात है। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा ने बताया कि डॉ. जसवीर सिंह और उनके शोधार्थी दोबारा शोध किए गए रिसर्च पेपर को एक आईआईएम रांची जैसे जर्नल में प्रकाशित होने के लिए स्वीकृति मिलने से प्रबंधन विभाग के लिए खुशी का विषय है। दूसरे प्राध्यापक भी इस से प्रोत्साहित होकर शोध की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करेंगे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari bhoomi **Date: 14-09-2022**

रिसर्च पेपर को आइआइएम रांची में प्रकाशित होनी की स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. जसवीर सिंह एवं उनके शोधार्थी डा. राजेंद्र कुमार के द्वारा शोध किए गए रिसर्च पेपर को आइआइएम रांची में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया है।

इस मौके पर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा, विश्वविद्यालय कुलपति डा. रणपाल सिंह, प्राध्यापक और शोधार्थी को सम्मानित किया और उनका मनोबल बढ़ाया।

कुलपति डा. रणपाल ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के कम समय के अंतराल में विश्वविद्यालय में शोध कार्योर् में प्रगति की है। प्रशासनिक तौर पर शोध के लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को दो लाख तक की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा अनुबंध पर लगे अध्यापकों को भी हाल ही में 50 हजार रुपये तक शोध के लिए अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इस मौके पर डा. जसबीर ने बताया कि वह लंबे समय से इस शोध प्रकाशन के लिए प्रयासरत थे। आईआईएम रांची के द्वारा प्रकाशित जर्नल में उनके पेपर को स्वीकृति मिलना उनके लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है। प्रो. एसके सिन्हा ने शोध पत्र तैया करने पर बधाई दी।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Danik Jagran **Date: 14-09-2022**

शोधार्थी डा. राजेंद्र का रिसर्च पेपर किया गया प्रकाशित

प्रो. डा. जसबीर और शोधार्थी राजेंद्र को सम्मानित करते वीसी डा. रणपाल सिंह। ● विज्ञप्ति

जींद : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रो. जसबीर सिंह और उनके शोधार्थी डा. राजेंद्र कुमार के द्वारा शोध किए गए रिसर्च पेपर को आइआइएम रांची में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया है। इस मौके पर वीसी डा. रणपाल सिंह, प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिन्हा ने शोधार्थी को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया। वीसी ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के कम समय के अंतराल में शोध कार्यों में प्रगति है। प्रशासनिक तौर पर शोध के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों को दो लाख तक की सहायक राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा अनुबंध पर लगे अध्यापकों को भी हाल ही में 50 हजार रुपये तक शोध के लिए अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिन्हा ने बताया कि शोधार्थी द्वारा शोध किए रिसर्च पेपर को आइआइएम रांची में प्रकाशित होना प्रबंधन विभाग के लिए हर्ष और उल्लास का विषय है। (जासं)

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper:Danik Svera **Date: 14-09-2022**

सीआरएसयू के एसोसिएट प्रोफैसर व शोधार्थी के रिसर्च पेपर आएआईएम रांची में होंगे प्रकाशित

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 13 सितंबर : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के प्रबंधन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जसवीर सिंह एवं उनके शोधार्थी डॉ. राजेंद्र कुमार के द्वारा शोध किए गए रिसर्च पेपर को आएआईएम, रांची में प्रकाशित होने के लिए स्वीकार किया गया है। इस मौके पर प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा, विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. रणपाल सिंह, प्राध्यापक और शोधार्थी को सम्मानित किया और उनका मनोबल बढ़ाया। कुलपति डॉ. रणपाल ने बताया कि यह विश्वविद्यालय के कम समय के अंतराल में विश्वविद्यालय में शोध कार्यों में प्रगति की है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक तौर पर शोध के लिए विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को 200000 तक की सहायक राशि प्रदान की जाती है। इसके अलावा अनुबंध पर लगे अध्यापकों को भी

प्राध्यापक व शोधार्थी को सम्मानित करते वीसी।

हाल ही में 50000 तक शोध के लिए अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इस मौके पर डॉ. जसबीर ने बताया कि वह लंबे समय से इस शोध प्रकाशन के लिए प्रयासरत थे। आईआईएम रांची के द्वारा प्रकाशित जर्नल में उनके पेपर को स्वीकृति मिलना उनके लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है। साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय शोध के लिए प्राध्यापकों को समय-समय पर प्रोत्साहन राशि भी प्रदान करता रहा है। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके सिन्हा ने बताया कि डॉ. जसवीर सिंह और उनके शोधार्थी दोबारा शोध किए गए रिसर्च पेपर को एक आईआईएम, रांची जैसे जर्नल में प्रकाशित होने के लिए स्वीकृति मिलने से प्रबंधन विभाग के लिए हर्ष और उल्लास का विषय है। दूसरे प्राध्यापक भी इस से प्रोत्साहित होकर शोध की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करेंगे।